Integral Research (Peer-reviewed, Open Access & Indexed Multidisciplinary Journal) ISSN: 3048-5991
Journal home page: https://integralresearch.in/, Vol. 02, No. 03, March. 2025

दस्तावेजी सर्वेक्षण प्रविधि: एक अध्ययन

ईश्वर सिंह *
शोधार्थी
शिक्षा शास्त्र विभाग, मगध विश्वविद्यालय बोधगया.
&
डॉ.नीरज कुमार
शोध निर्देशक
शिक्षा शास्त्र विभाग, मगध विश्वविद्यालय बोधगया.

Abstract

प्रस्तुत शोध अध्ययन दस्तावेजी सर्वेक्षण प्रविधि एक महत्वपूर्ण शोध पद्धति है, जिसका उपयोग विभिन्न क्षेत्रों में जानकारी एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने के लिए किया जाता है। यह प्रविधि मुख्य रूप से उपलब्ध दस्तावेजों, रिकॉर्ड्स, रिपोर्ट्स, पुस्तकों, लेखों, और अन्य लिखित सामग्री के आधार पर शोध कार्य को आगे बढ़ाती है। इसका उद्देश्य प्रासंगिक डेटा को संकलित करना, सांख्यिकीय गणना करना, उसकी विश्लेषण करना और निष्कर्ष निकालना है। दस्तावेजी सर्वेक्षण प्रविधि के मुख्य लाभों में समय और संसाधनों की बचत, विस्तृत और विश्वसनीय डेटा का चयन करना, दस्तावेजों तक पहुंच, बनाना और ऐतिहासिक तथा वर्तमान जानकारी का तुलनात्मक अध्ययन शामिल है। यद्यपि, इसके कुछ सीमाएं भी हैं, जैसे कि दस्तावेजों की उपलब्धता, उनकी प्रामाणिकता, और शोधकर्ता की व्याख्या पर निर्भरता। प्रस्तुत शोध प्रविधि का उपयोग सामाजिक विज्ञान, ऐतिहासिक शोध, नीति विश्लेषण, और अन्य अकादमिक क्षेत्रों में व्यापक रूप से किया जाता है। यह शोधकर्ताओं को बिना प्राथमिक डेटा संग्रह के भी गहन अध्ययन करने की सुविधा प्रदान करती है।

मुख्य शब्द: दस्तावेजी ,सर्वेक्षण, प्रविधि, विशेषताएं, प्रकार, आंतरिक, बाहरी, अध्ययन, विश्लेषण, सुझाव आदि।

प्रस्तावना

प्रस्तुत शोध प्रविधि एक महत्वपूर्ण शोध पद्धति है जो विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान के संग्रह, विश्लेषण और व्याख्या के लिए उपयोगी होती है। यह प्रविधि मुख्य रूप से मौजूदा दस्तावेजों, रिकॉर्ड्स, पुस्तकों, शोध

* Corresponding Author: Ishwar Singh
Email: ishwarsingh8521@gmail.com
Received 10 March. 2025; Accepted 21 March. 2025. Available online: 30 March. 2025.
Published by SAFE. (Society for Academic Facilitation and Extension)
This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License

पत्रों, आंकड़ों और अन्य लिखित सामग्री के माध्यम से जानकारी एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने पर केंद्रित होती है। दस्तावेजी सर्वेक्षण प्रविधि का उपयोग करके शोधकर्ता ऐतिहासिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक पहलुओं का गहन अध्ययन कर सकते हैं।

प्रस्तुत शोध अध्ययन आधुनिक युग में, जहां सूचना और डेटा का महत्व दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है, दस्तावेजी सर्वेक्षण प्रविधि शोधकर्ताओं के लिए एक अत्यंत उपयोगी उपकरण बन गई है। यह प्रविधि न केवल शोधकर्ताओं को विषय की गहनता समझ प्रदान करती है, बल्कि उन्हें नए दृष्टिकोण और अंतर्दृष्टि भी प्रदान करती है।

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य दस्तावेजी सर्वेक्षण प्रविधि के विभिन्न पहलुओं को समझना, इसकी प्रक्रियाओं, महत्वों और सीमाओं का विश्लेषण करना है। प्रस्तुत शोध अध्ययन दस्तावेजी सर्वेक्षण प्रविधि शोध अध्ययन की विभिन्न क्षेत्रों में अनुप्रयोग तथा भविष्य की संभावनाओं पर भी प्रकाश डालेगा।

प्रस्तुत शोध अध्ययन के माध्यम से शोधकर्ता इसकी गहराईयों में उतरेंगे और दस्तावेजी सर्वेक्षण प्रविधि के महत्वों को समझने का प्रयास करेंगे।

दस्तावेजीसर्वेक्षण प्रविधि/पद्धति/तकनीक

> "दस्तावेजी सर्वेक्षण प्रविधि वह शोध पद्धति है जिसमें शोधकर्ता मौजूदा दस्तावेजों, रिकॉर्ड्स, पुस्तकों, लेखों, और अन्य लिखित सामग्री के आधार पर डेटा एकत्र करता है। यह प्रविधि प्राथमिक डेटा संग्रह के बिना ही शोध कार्य को संपन्न करने में सहायक होती है।"**1**

प्रस्तुत शोध प्रविधि को संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि दस्तावेजी सर्वेक्षण एक प्रभावी शोध पद्धति है, जो पूर्व में एकत्रित किये गये प्रमाणिक सूचनाओं, एवं तथ्यों के विश्लेषण के माध्यम से नए ज्ञान, नये सूचना, नये तथ्यों और अंतर्दृष्टि प्रदान करती है।

प्रस्तुत शोध अध्ययन दस्तावेजी सर्वेक्षण का एक शोध पद्धति है, जिसके लिए उपलब्ध दस्तावेज हो, जैसे एकेडमिक रिकॉर्ड्स, परीक्षा परिणामों, पुस्तकों में लिखित साक्ष्यों, रिपोर्ट्स, आर्टिकल्स, शिलालेखों, ताम्रपत्र लिपि तथा अन्य लिखित सामग्री का विश्लेषण किया जाता है। यह पद्धति मुख्य रूप से माध्यमिक डेटा पर आधारित होती है, जो पहले से ही प्रमाणिक, संरक्षित, संरक्षित एवं एकत्र किया गया

है। प्रस्तुत शोध अध्ययन के उद्देश्य किसी विशेष तथ्यों, क्षेत्रों, विषयों, प्रक्रियाओं या समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त करना, उसका विश्लेषण करना और निष्कर्ष निकालना होता है।

दस्तावेजी सर्वेक्षण के प्रमुख विशेषताएं

> "दस्तावेजी सर्वेक्षण एक प्रकार की अनुसंधान पद्धति है जिसमें अनुसंधानकर्ता दस्तावेजों का विश्लेषण करके डेटा का संग्रह करता है। यह पद्धति ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अध्ययनों में उपयोग की जाती है।"**2**

1. **माध्यमिक डेटा का उपयोग**

प्रस्तुत शोध प्रविधि पहले से उपलब्ध दस्तावेजों और सूचनाओं का उपयोग किया जाता है। जैसे - परीक्षा परिणामों, अभिलेखों और सामाजिक गतिविधियां, सांस्कृतिक धरोहर, और राजनीतिक घटनाक्रमों संबंधित दस्तावेज ।

2.**गुणात्मक और मात्रात्मक विश्लेषण**

प्रस्तुत दस्तावेजी सर्वेक्षण में गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों प्रकार के विश्लेषण किए जा सकते हैं।इस प्रविधि में गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों प्रकार के डेटा का उपयोग किया जाता है। यह विधि शोध प्रश्नों के उत्तर ढूंढने के लिए दोनों प्रकार के डेटा को समन्वित करती है। इस प्रकार के शोध प्रविधि में मात्रात्मक (अंक पत्रों के आंकड़े आदि) और गुणात्मक (डेटा का विश्लेषण) दोनों प्रकार के डेटा का उपयोग किया जाता है। जिसके माध्यम डेटा को समन्वित करके शोध प्रश्नों के उत्तर ढूंढी जाती है।

3. **समय और धन की बचत**

प्रस्तुत शोध प्रविधि में नया डेटा एकत्र करने की आवश्यकता नहीं होती, इसलिए यह समय और लागत प्रभावी होता है। इस प्रकार के शोध अध्ययन में प्रश्नावली निर्माण सर्वेक्षण प्रपत्र आदि का निर्माण नहीं किया जाता है। जिसके कारण समय और लागत दोनों की बचत होती है।

4. **ऐतिहासिक और तुलनात्मक अध्ययन**

प्रस्तुत पद्धति ऐतिहासिक घटनाओं और तुलनात्मक अध्ययन के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। इस प्रकार के शोध अध्ययन में शोध उपकरण के रूप में पूर्वकालिक प्रमाणिक तथ्यों, प्रमाणिक सूचनाओं एवं आलेखों आदि को उपकरणों के रूप में उपयोग के लिए प्रयोग में लाया जाता है। जिससे दो समूहों के मध्य तुलनात्मक अध्ययन करना संभव होता है।

दस्तावेजी सर्वेक्षण प्रविधि के प्रकार

> "शोध प्रविधि प्रकार शोध के उद्देश्य, डेटा संग्रह के तरीके, और विश्लेषण के आधार पर विभिन्न श्रेणियों में विभाजित होते हैं। यह शोधकर्ता को यह तय करने में मदद करता है कि किस प्रकार की विधि उनके शोध प्रश्नों के लिए सबसे उपयुक्त है।"**3**

प्रस्तुत दस्तावेजी सर्वेक्षण के विभिन्न प्रकार होते हैं, जो शोधकर्ता के उद्देश्य और उपलब्ध स्रोतों के आधार पर चयन किए जाते हैं। यहां दस्तावेजी सर्वेक्षण के प्रमुख प्रकारों का उल्लेख निम्नानुसार किया गया है।

आंतरिक दस्तावेजी सर्वेक्षण

> "आंतरिक दस्तावेजी सर्वेक्षण का तात्पर्य उन दस्तावेजों के अध्ययन से है जो संगठन या संस्था के भीतर उत्पन्न होते हैं। इसमें आंतरिक रिपोर्ट, रिकॉर्ड, मिनट्स, पत्राचार, वित्तीय विवरण, और अन्य आधिकारिक दस्तावेज शामिल होते हैं। यह सर्वेक्षण संगठन के आंतरिक कार्यप्रणाली, नीतियों, और प्रक्रियाओं को समझने में मदद करता है।"**4**

प्रस्तुत शोध प्रविधि के प्रकार के सर्वेक्षण में संगठन या संस्था के भीतर उपलब्ध दस्तावेजों का उपयोग किया जाता है। ये दस्तावेज संगठन के आंतरिक कार्यों और प्रक्रियाओं से संबंधित होते हैं। जैसे- किसी कंपनी के वित्तीय रिकॉर्ड्स, बजट रिपोर्ट्स, और बैलेंस शीट्स का विश्लेषण। बोर्ड, विश्वविद्यालय से प्राप्त स्कूल या कॉलेज के छात्र रिकॉर्ड्स, परीक्षा परिणाम, और प्रशासनिक रिपोर्ट्स का अध्ययन आदि ।

बाहरी दस्तावेजी सर्वेक्षण

> "बाहरी दस्तावेजी सर्वेक्षण का तात्पर्य उन दस्तावेजों के अध्ययन से है जो संगठन या संस्था के बाहर से प्राप्त होते हैं। इसमें सरकारी रिपोर्ट, अखबार, पत्रिकाएँ, शोध पत्र, और अन्य सार्वजनिक दस्तावेज शामिल

होते हैं। यह सर्वेक्षण बाहरी वातावरण, बाजार की स्थिति, और सामाजिक-आर्थिक प्रवृत्तियों को समझने में मदद करता है।"**5**

प्रस्तुत शोध प्रविधि के प्रकार के सर्वेक्षण में बाहरी स्रोतों से प्राप्त दस्तावेजों का उपयोग किया जाता है। ये स्रोत सरकारी, गैर-सरकारी, या सार्वजनिक हो सकते हैं। जैसे - सरकारी रिपोर्ट्स, जनगणना डेटा, आर्थिक सर्वेक्षण, या स्वास्थ्य संबंधी आंकड़े, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट्स,समाचार पत्र, पत्रिकाएं, और ऑनलाइन लेख आदि।

3.**ऐतिहासिक दस्तावेजी सर्वेक्षण**

प्रस्तुत शोध प्रविधि के प्रकार के सर्वेक्षण में ऐतिहासिक दस्तावेजों का अध्ययन किया जाता है। यह शोधकर्ताओं को अतीत की घटनाओं और प्रवृत्तियों को समझने में मदद करता है। जैसे - प्राचीन ग्रंथों, पांडुलिपियों, और ऐतिहासिक रिकॉर्ड्स का विश्लेषण, स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित दस्तावेजों का अध्ययन, पुराने समाचार पत्रों और पत्रिकाओं का उपयोग करके किसी ऐतिहासिक घटना का पुनर्निर्माण आदि।

4. **तुलनात्मक दस्तावेजी सर्वेक्षण**

प्रस्तुत शोध प्रविधि के प्रकार के सर्वेक्षण में दो या दो से अधिक दस्तावेजों की तुलनात्मक अध्ययन की जाती है, जिसके माध्यम से समानताएं और दोनो के मध्य सार्थक अंतर को समझे जा सकें, जैसे दो अलग-अलग देशों के ,दो छात्र समूहों की उपलब्धियों के , दो शिक्षा आयोग के शिक्षा नीतियों के मध्य तुलना करना, विभिन्न कंपनियों के वार्षिक रिपोर्ट्स का विश्लेषण करके उनकी वित्तीय स्थिति की तुलना करना आदि।

5.**सांख्यिकीय दस्तावेजी सर्वेक्षण**

प्रस्तुत शोध प्रविधि के प्रकार के सर्वेक्षण में सांख्यिकीय डेटा और आंकड़ों का उपयोग किया जाता है। यह मात्रात्मक विश्लेषण पर आधारित होता है, जैसे-जनगणना डेटा का उपयोग करके जनसंख्या वृद्धि का अध्ययन, आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़ों का उपयोग करके बेरोजगारी दर का विश्लेषण आदि ।

6.**गुणात्मक दस्तावेजी सर्वेक्षण**

प्रस्तुत शोध प्रविधि के प्रकार के सर्वेक्षण में गुणात्मक डेटा का उपयोग किया जाता है। यह विधि विषय की गहराई से समझ प्रदान करती है, जैसे - साहित्यिक कृतियों, डायरी, और पत्रों का विश्लेषण, किसी विशेष घटना या प्रवृत्ति के बारे में लिखे गए लेखों और टिप्पणियों का अध्ययन आदि।

7.**मिश्रित दस्तावेजी सर्वेक्षण**

प्रस्तुत शोध प्रविधि के प्रकार के सर्वेक्षण में गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों प्रकार के दस्तावेजों का उपयोग किया जाता है, जैसे - किसी सामाजिक समस्या के बारे में सरकारी रिपोर्ट्स (मात्रात्मक) और समाचार पत्रों में प्रकाशित लेख (गुणात्मक) का संयुक्त विश्लेषण आदि।

8.**आधिकारिक दस्तावेजी सर्वेक्षण**

प्रस्तुत शोध प्रविधि के प्रकार के सर्वेक्षण में सरकारी या आधिकारिक स्रोतों से प्राप्त दस्तावेजों का उपयोग किया जाता है, जैसे - सरकारी बजट दस्तावेजों का विश्लेषण,न्यायिक निर्णयों और कानूनी दस्तावेजों का अध्ययन आदि।

9.**गैर-आधिकारिक दस्तावेजी सर्वेक्षण**

प्रस्तुत शोध प्रविधि के प्रकार के सर्वेक्षण में गैर-सरकारी संगठनों, व्यक्तिगत लेखकों, या निजी संस्थाओं द्वारा प्रकाशित दस्तावेजों का उपयोग किया जाता है, जैसे - गैर-सरकारी संगठनों द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट्स,ब्लॉग्स, व्यक्तिगत डायरी, और सोशल मीडिया पोस्ट्स का विश्लेषण आदि।

उपरोक्त दस्तावेजी सर्वेक्षण के इन प्रकारों से शोधकर्ताओं को विभिन्न स्रोतों से जानकारी एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने में मदद मिल सकती हैं। इस प्रकार दस्तावेजी सर्वेक्षण के समुचित चयन से शोध के उद्देश्य, उपलब्ध संसाधनों, और शोध प्रश्नों के आधार पर किया जाता है।

दस्तावेजी सर्वेक्षण प्रविधि के लाभ

प्रस्तुत दस्तावेजी सर्वेक्षण प्रविधि एक प्रभावी शोध पद्धति है जिसके कई लाभ हैं। यह शोधकर्ताओं को मौजूदा दस्तावेजों और सूचनाओं का उपयोग करके गहन और विश्वसनीय निष्कर्ष निकालने में मदद करता है। दस्तावेजी सर्वेक्षण से होने वाले लाभ निम्नानुसार है ।

1. समय और लागत की बचत:

प्रस्तुत शोध प्रविधि में सर्वेक्षण के लिए नया डेटा एकत्र करने की आवश्यकता नहीं होती है, क्योंकि यह पहले से उपलब्ध दस्तावेजों पर आधारित होता है। इससे शोधकर्ता का समय और धन दोनों का बचत होता है ।

2. **व्यापक और गहन जानकारी:**

प्रस्तुत शोध प्रविधि में शोधकर्ता को विषय से संबंधित व्यापक और गहन जानकारी प्रदान करता है। यह विधि बड़े पैमाने पर डेटा का विश्लेषण करने में सक्षम होता है ।

3. **ऐतिहासिक और तुलनात्मक अध्ययन की सुविधाजनक**

प्रस्तुत शोध प्रविधि में ऐतिहासिक घटनाओं और तुलनात्मक अध्ययन के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। यह शोधकर्ता को अतीत की घटनाओं और प्रवृत्तियों को समझने में मदद करता है।

4. **विश्वसनीयता और प्रामाणिकता**

प्रस्तुत शोध प्रविधि में दस्तावेज प्रामाणिक और विश्वसनीय स्रोतों से प्राप्त हों, तो शोध के निष्कर्ष भी विश्वसनीय होते हैं। सरकारी रिपोर्ट्स, अकादमिक शोध पत्र, और प्रतिष्ठित संगठनों के दस्तावेजों का उपयोग करने से शोध की गुणवत्ता बढ़ती है।

5.**सुविधाजनक और लचीला**

प्रस्तुत शोध प्रविधि एक सुविधाजनक और लचीली पद्धति है। शोधकर्ता अपनी सुविधा के अनुसार दस्तावेजों का चयन और विश्लेषण कर सकता है।

6. **गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों प्रकार के विश्लेषण की सुविधा**

प्रस्तुत शोध प्रविधि में गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों प्रकार के विश्लेषण किए जा सकते हैं। यह शोधकर्ता को विषय की गहराई से समझ प्रदान करता है।

7. **नई अंतर्दृष्टि और ज्ञान का सृजन**

प्रस्तुत शोध प्रविधि में शोधकर्ता को मौजूदा जानकारी के आधार पर नई अंतर्दृष्टि और ज्ञान प्रदान करता है। यह पिछले अध्ययनों और घटनाओं के आधार पर नए निष्कर्ष निकालने में मदद करता है, जैसे - एक शोधकर्ता पुराने आर्थिक डेटा का विश्लेषण करके वर्तमान आर्थिक प्रवृत्तियों की भविष्यवाणी कर सकता है।

8. **नैतिक मुद्दों से मुक्ति**

प्रस्तुत शोध प्रविधि में प्राथमिक डेटा एकत्र करने की आवश्यकता नहीं होती, इसलिए इसमें नैतिक मुद्दों (जैसे प्रतिभागियों की सहमति) का सामना नहीं करना पड़ता है।

9.**दीर्घकालिक अध्ययन की सुविधा**

प्रस्तुत शोध प्रविधि में दीर्घकालिक अध्ययन के लिए उपयुक्त है, क्योंकि इसमें समय के साथ उपलब्ध दस्तावेजों का विश्लेषण किया जा सकता है।

इस प्रकार दस्तावेजी सर्वेक्षण प्रविधि एक प्रभावी और लचीली शोध पद्धति है जो शोधकर्ताओं को समय, लागत, और मेहनत की बचत करते हुए विश्वसनीय और गहन निष्कर्ष प्रदान करती है। यह विधि विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक रूप से उपयोग की जाती है और शोधकर्ताओं के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करती है।

प्रस्तुत सर्वेक्षण प्रविधि एक शोध पद्धति है, जिसमें मौजूदा दस्तावेजों, रिकॉर्ड्स और साहित्य का विश्लेषण करके डेटा एकत्र किया जाता है। यह प्रविधि प्राथमिक और द्वितीयक स्रोतों पर आधारित होती है और इसमें मौखिक या प्रायोगिक डेटा के बजाय लिखित सामग्री का उपयोग किया जाता है। इस प्रक्रिया को निम्नलिखित चरणों में समझा जा सकता है।

दस्तावेजी शोध प्रविधि के प्रक्रिया

> "शोध प्रविधि के प्रक्रिया एक व्यवस्थित और वैज्ञानिक तरीके से अनुसंधान कार्य को पूरा करने के लिए आवश्यक चरणों का समूह है।"**6**

प्रस्तुत शोध प्रविधि दस्तावेजों के विश्लेषण के आधार पर शोधकर्ता शिक्षा, शैक्षिक प्रक्रियाओं, अर्थशास्त्र आदि विकास की प्रमुख घटनाओं, चुनौतियों, और उपलब्धियों को समझा जा सकता है और अपने निष्कर्ष प्रस्तुत कर सकता है।

इस प्रकार, प्रस्तुत सर्वेक्षण प्रविधि एक व्यवस्थित और प्रभावी शोध पद्धति है जो मौजूदा सूचनाओं के आधार पर नए ज्ञान का सृजन करती है।

1. **विषय का चयन**

शोधकर्ता सबसे पहले अपने शोध का विषय निर्धारित करता है। उदाहरण के लिए, "भारत में शिक्षा नीतियों का ऐतिहासिक विकास","सेवारत एवं सेवापूर्व प्रशिक्षणार्थियों के मध्य तुलनात्मक अध्ययन"आदि।

2.**उद्देश्य निर्धारण**

प्रस्तुत शोध प्रविधि का उद्देश्य स्पष्ट करना, जैसे "भारत में शिक्षा नीतियों के प्रभाव का विश्लेषण करना" "मगध विश्वविद्यालय बोधगया से उत्तीर्ण सेवारत एवं सेवापूर्व प्रशिक्षणार्थियों के शैक्षिक उपलब्धियों का तुलना करना" आदि।

3. **दस्तावेजों की पहचान:**

प्रस्तुत शोध प्रविधि में शोधकर्ता संबंधित दस्तावेजों की पहचान करता है। इसमें सरकारी रिपोर्ट्स, बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों, विश्वविद्यालय परीक्षा परिणामों, पुस्तकें, शोध पत्र, आर्टिकल्स, अभिलेखागार, और अन्य प्रकाशित सामग्री शामिल हो सकती है। यथा - भारत सरकार की शिक्षा नीतियों, परीक्षा परिणामों, शैक्षिक प्रक्रियाओं से संबंधित रिपोर्ट्स, नेशनल एजुकेशन पॉलिसी **(NEP) 2020,** और ऐतिहासिक शिक्षा आयोगों की रिपोर्ट्स आदि।

4.**दस्तावेजों का संग्रह**

प्रस्तुत शोध प्रविधि में पहचाने गए दस्तावेजों को एकत्र किया जाता है। यह पुस्तकालयों, ऑनलाइन डेटाबेस, अभिलेखागार, या अन्य स्रोतों से हो सकता है।

5.**दस्तावेजों का विश्लेषण**

प्रस्तुत शोध प्रविधि में एकत्रित दस्तावेजों का गहन विश्लेषण किया जाता है। इसमें तथ्यों, आंकड़ों, और जानकारी को व्यवस्थित रूप से समझा जाता है। यथा- **NEP 2020** के प्रावधानों का विश्लेषण करना और उनकी तुलना पिछली नीतियों से तुलना करना आदि।

6.**डेटा की व्याख्या**

प्रस्तुत शोध प्रविधि में विश्लेषण के आधार पर निष्कर्ष निकाले जाते हैं। शोधकर्ता दस्तावेजों में पाए गए पैटर्न, प्रवृत्तियों, और समस्याओं की व्याख्या करता है। यथा -भारत में शिक्षा नीतियों, शैक्षिक प्रक्रियाओं के विकास में सामाजिक, आर्थिक, और राजनीतिक प्रभावों की पहचान करना।

7.**रिपोर्ट तैयार करना**

प्रस्तुत शोध प्रविधि के अंतिम चरण में, शोधकर्ता अपने निष्कर्षों को एक संरचित रिपोर्ट के रूप में प्रस्तुत करता है। इसमें परिचय, विधि, विश्लेषण, निष्कर्ष, और सिफारिशें शामिल होती हैं। यथ-मान लीजिए एक शोधकर्ता "भारत में महिला शिक्षा का ऐतिहासिक विकास" पर शोध कर रहा है। वह निम्नलिखित दस्तावेजों का उपयोग कर सकता है।

दस्तावेजी सर्वेक्षण के सीमाएं

प्रस्तुत शोध प्रविधि एक उपयोगी शोध पद्धति है, लेकिन इसकी कुछ सीमाएं हैं जो शोधकर्ता को सावधानीपूर्वक दस्तावेजों का चयन और विश्लेषण करने के लिए प्रेरित करती हैं। शोधकर्ता को दस्तावेजों की प्रामाणिकता, विश्वसनीयता, और प्रासंगिकता की जांच करनी चाहिए ताकि शोध के निष्कर्ष सटीक और विश्वसनीय हों। दस्तावेजी सर्वेक्षण प्रविधि के कुछ सीमाएं हैं, जिनपर यदि सावधानीपूर्वक ध्यान नहीं दिया जाए तो शोध अध्ययन के निष्कर्षों को सटीक और विश्वसनीय नहीं बनाया जा सकता है। जो निम्नानुसार इस प्रकार है।

1.पूर्वाग्रह की संभावना

2.अपूर्ण जानकारी

3.दस्तावेजों की अनुपलब्धता

4.दस्तावेजों की व्याख्या में कठिनाई

5.दस्तावेजों की भाषा और शैली

6.नैतिक और कानूनी मुद्दे

दस्तावेजी सर्वेक्षण प्रविधि में विश्लेषण

> "विश्लेषण का अर्थ है किसी समस्या या विषय को उसके घटकों में विभाजित करके उनका गहन अध्ययन करना। शोध प्रविधि में विश्लेषण का उद्देश्य डेटा को व्यवस्थित करना, पैटर्न की पहचान करना और निष्कर्ष निकालना है।" **7**

प्रस्तुत शोध प्रविधि में दस्तावेज विश्लेषण एक व्यवस्थित प्रक्रिया है जिसमें दस्तावेजों से प्राप्त जानकारी को समझने, व्याख्यायित करने, और निष्कर्ष निकालने के लिए विभिन्न चरणों का पालन किया जाता है। यह प्रक्रिया शोधकर्ताओं को दस्तावेजों में छिपे हुए तथ्यों, विषयों, और अंतर्दृष्टि को समझने में मदद करती है। यहां दस्तावेजी शोध प्रविधि में विश्लेषण की प्रमुख प्रक्रियाओं का उल्लेख किया गया है।

1.**दस्तावेजों का चयन**

प्रस्तुत शोध प्रविधि में विश्लेषण प्रक्रिया का पहला चरण दस्तावेजों का चयन है। शोधकर्ता को अपने शोध के उद्देश्य और प्रश्नों के अनुसार प्रासंगिक दस्तावेजों का चयन करना चाहिए।

शोध के उद्देश्य और प्रश्नों को परिभाषित करें।प्राथमिक और माध्यमिक दस्तावेजों की पहचान करें। दस्तावेजों को विभिन्न स्रोतों (जैसे पुस्तकालय, ऑनलाइन डेटाबेस, संगठनों के रिकॉर्ड) से एकत्र करें।

2.**दस्तावेजों का मूल्यांक**

प्रस्तुत शोध प्रविधि में दस्तावेजों के चयन के बाद, शोधकर्ता को उनकी प्रामाणिकता, विश्वसनीयता, और प्रासंगिकता का मूल्यांकन करना चाहिए। दस्तावेजों के स्रोत की विश्वसनीयता की जांच करें। दस्तावेजों की तिथि और संदर्भ को समझें।दस्तावेजों में पूर्वाग्रह की संभावना का आकलन करें।

3.**दस्तावेजों का वर्गीकरण**

प्रस्तुत शोध प्रविधि में दस्तावेजों को उनकी प्रकृति और विषय के अनुसार वर्गीकृत किया जाता है। यह शोधकर्ता को डेटा को व्यवस्थित करने में मदद करता है। दस्तावेजों को विषय, समय, या स्रोत के आधार पर वर्गीकृत करें।उदाहरण के लिए, ऐतिहासिक दस्तावेजों को समयकाल के अनुसार वर्गीकृत किया जा सकता है।

4.**डेटा का संकलन और व्यवस्थितकरण**

प्रस्तुत शोध प्रविधि में दस्तावेजों से प्राप्त जानकारी को संकलित और व्यवस्थित किया जाता है। यह शोधकर्ता को डेटा का विश्लेषण करने में मदद करता है। महत्वपूर्ण जानकारी को नोट करें।डेटा को तालिकाओं, चार्ट्स, या ग्राफ़्स के रूप में व्यवस्थित करें।

5.**गुणात्मक विश्लेषण**

प्रस्तुत शोध प्रविधि में गुणात्मक विश्लेषण के माध्यम से दस्तावेजों की सामग्री को गहराई से समझा जाता है। यह विधि विषय की गहराई से समझ प्रदान करती है। दस्तावेजों में उल्लिखित विषयों, विचारों, और प्रवृत्तियों की पहचान करें।विषयों के बीच संबंधों और पैटर्न्स का विश्लेषण करें।उदाहरण के लिए, ऐतिहासिक दस्तावेजों में घटनाओं के कारण और प्रभाव का विश्लेषण करना।

6.**मात्रात्मक विश्लेषण**

प्रस्तुत शोध प्रविधि में मात्रात्मक विश्लेषण में संख्यात्मक डेटा का उपयोग किया जाता है। यह विधि सांख्यिकीय तकनीकों का उपयोग करके डेटा का विश्लेषण करती है। संख्यात्मक डेटा (जैसे जनसंख्या आंकड़े, आर्थिक डेटा) को एकत्र करें।सांख्यिकीय तकनीकों (जैसे माध्य, माध्यिका, प्रतिशत) का उपयोग करके डेटा का विश्लेषण करें। उदाहरण के लिए, जनगणना डेटा का उपयोग करके जनसंख्या वृद्धि दर की गणना करना।

7.**तुलनात्मक विश्लेषणात्मक**

> "तुलनात्मक दस्तावेजी सर्वेक्षण एक शोध पद्धति है जिसमें विभिन्न स्रोतों से प्राप्त दस्तावेजों का तुलनात्मक अध्ययन किया जाता है। इसका उद्देश्य विभिन्न दस्तावेजों के बीच समानताएं, अंतर, और

प्रवृत्तियों का विश्लेषण करना होता है। यह पद्धति विशेष रूप से ऐतिहासिक, सामाजिक, या नीतिगत अध्ययनों में उपयोगी होती है, जहां विभिन्न समयावधियों, क्षेत्रों, या संदर्भों के दस्तावेजों की तुलना की जाती है।"**8**

प्रस्तुत शोध प्रविधि में तुलनात्मक विश्लेषण दो या दो से अधिक दस्तावेजों की तुलना की जाती है। यह शोधकर्ता को समानताएं और अंतर समझने में मदद करता है। दस्तावेजों के बीच समानताएं और अंतर की पहचान करें। उदाहरण के लिए, विभिन्न देशों की शिक्षा नीतियों की तुलना करना।

8.**व्याख्या और निष्कर्ष निकालना**

प्रस्तुत शोध प्रविधि में विश्लेषण के बाद, शोधकर्ता दस्तावेजों से प्राप्त जानकारी की व्याख्या करता है और निष्कर्ष निकालता है। विश्लेषण के आधार पर प्रमुख निष्कर्षों की पहचान करें। निष्कर्षों को शोध के उद्देश्यों और प्रश्नों के साथ जोड़ें।उदाहरण के लिए, ऐतिहासिक दस्तावेजों के आधार पर किसी घटना के कारणों का विश्लेषण करना।

9.**रिपोर्ट तैयार करना**

प्रस्तुत शोध प्रविधि के अंतिम चरण में, शोधकर्ता अपने विश्लेषण और निष्कर्षों को एक रिपोर्ट के रूप में प्रस्तुत करता है। शोध के उद्देश्य, विधि, विश्लेषण, और निष्कर्षों को स्पष्ट रूप से लिखें। रिपोर्ट को तार्किक और संरचित ढंग से प्रस्तुत करें।उदाहरण के लिए, शोध पत्र, थीसिस, या प्रस्तुति के रूप में रिपोर्ट तैयार करना।

5.**लिखित सामग्री**

प्रस्तुत शोध प्रविधि सर्वेक्षण में लिखित सामग्री शोध अध्ययन का एक महत्वपूर्ण स्रोत होती है। यह सामग्री शोधकर्ता को विभिन्न प्रकार की जानकारी प्रदान करती है और शोध के उद्देश्यों को पूरा करने में मदद करती है। दस्तावेजी सर्वेक्षण में उपयोग की जाने वाली लिखित सामग्री के प्रकार निम्नलिखित हैं।

1.सरकारी दस्तावेज

2.शैक्षणिक और शोध संबंधी दस्तावेज

3.ऐतिहासिक दस्तावेज

4.संगठनात्मक दस्तावेज

5.मीडिया और प्रकाशन

6.कानूनी दस्तावेज

7.व्यक्तिगत दस्तावेज

8.वाणिज्यिक दस्तावेज

9.अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के दस्तावेज

उपरोक्त मुख्य नौ प्राथमिक डेटा स्रोत के अतिरिक्त कुछ और भी श्रोतों को उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया जाता है । यह विधि शोधकर्ता को मौजूदा रिकॉर्ड्स और दस्तावेजों के माध्यम से डेटा एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने में समर्थ बनाती है। शोध कर्ता द्वारा तुलनात्मक शोध अध्ययन के माध्यम से सेवारत और सेवापूर्व प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों की तुलना की गई है, जो दो या दो से अधिक समूहों के बीच समानताएं और अंतरों को समझने में मदद लिया जा सकता है।

इस प्रकार शोध अध्ययन में विश्लेषणात्मक विधि का उपयोग करके अंक पत्रों से प्राप्त डेटा का गहन विश्लेषण किया जा सकता है और शोध के निष्कर्षों को और अधिक मजबूत बनाया जा सकता है।

सुझाव

इस प्रकार के शोध विभिन्न प्रशिक्षणों के क्षेत्र में किये जानें कि आवश्यकता महसूस हुई । प्रस्तुत शोध शिक्षा-जगत के शोधकर्ताओं के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकते है। भविष्य में जिन विषयों पर शोध कार्य करने की आवश्यकता है। उसके लिए निम्नानुसार संकेत दिया जा सकता है।

1. "प्ररंभिक शिक्षा प्रशिक्षणार्थियों के सामान्य एवं व्यावसायिक शैक्षिक उपलब्धियों की तुलनात्मक अध्ययन।"

2. "बी. पी. एड. प्रशिक्षणार्थियों के सामान्य एवं व्यावसायिक शैक्षिक उपलब्धियों की तुलनात्मक अध्ययन।"

3. "मेडिकल प्रशिक्षणार्थियों के सामान्य एवं व्यावसायिक शैक्षिक उपलब्धियों की तुलनात्मक अध्ययन।"

4. "इंजिनियरिंग प्रशिक्षणार्थियों के सामान्य एवं व्यावसायिक शैक्षिक उपलब्धियों की तुलनात्मक अध्ययन।"

5. "कृषि प्रशिक्षणार्थियों के सामान्य एवं व्यावसायिक शैक्षिक उपलब्धियों की तुलनात्मक अध्ययन।"

6. "पोल्टेक्णिक प्रशिक्षणार्थियों के सामान्य एवं व्यावसायिक शैक्षिक उपलब्धियों की तुलनात्मक अध्ययन।"

7. "औद्योगिक प्रशिक्षणार्थियों के सामान्य एवं व्यावसायिक शैक्षिक उपलब्धियों की तुलनात्मक अध्ययन।"

8. "दूरस्थ बी०एड०प्रशिणार्थिओं के सामान्य एवं व्यावसायिक शैक्षिक उपलब्धियों की तुलनात्मक अध्ययन।"

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1.डॉ. राजेंद्र कुमार **(2017)** *अनुसंधान विधियाँ और तकनीकें* पृष्ठ संख्या **210** विकास पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली।

2.लूइस कोहेन, लारेंस मोनियन और के था मोरिशन **(2018)** *रिसर्च मेथड इन एजुकेशन,* न्यू एज इंटरनेशनल पब्लिशर्स एसोसिएशन।

3. डॉ.एस. पी.गुप्ता **(2010)** *शोध पद्धति और सांख्यिकी, शोध प्रकार और विधियाँ* , पृष्ठ संख्या अध्याय **2** या **3** ,राष्ट्रीय पुस्तक न्यास इलाहाबाद यूपी।

4. डॉ. के. के. सक्सेना, **(2017)** *शोध विधियाँ और तकनीकें* पृष्ठ संख्या: **225,** स्टेर्लिंग पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड ,नई दिल्ली।

5. सी.आर. कोठारी **(2019)** *शोध प्रविधि : शोध विधि और तकनीकी* पृष्ठ संख्या **7,** न्यू एज इंटरनेशनल पब्लिशर्स।

6. डॉ. राजेंद्र कुमार **(2015)** *अनुसंधान विधियाँ और तकनीकें* पृष्ठ संख्या- **10,** विकास पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट लिमिटेड**,** नई दिल्ली।

7. डॉ. के. के. सक्सेना**, (2017)** *शोध विधियाँ और तकनीकें,* पृष्ठ संख्या: **250,** स्टेर्लिंग पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड **,** नई दिल्ली।

8. राम विलास शर्मा **(2015)** *शोध पद्धतियां: और अनुप्रयोग* पृष्ठ संख्या **112,** राज कमल प्रकाशन नई दिल्ली ।